

This manuscript includes ,

Shri Mahopanishad

॥ महोपनिषत् ॥

॥ महोपनिषत् ॥

यन्महोपनिषद्वेद्यं चिदाकाशतया स्थितम् ।

परमाद्वैतसाम्राज्यं तद्रामब्रह्म मे गतिः ॥

ॐ आप्यायन्तु मामाङ्गानि वाक्प्राणश्चक्षुः

श्रोत्रमथो बलमिन्द्रियाणि च ॥ सर्वाणि सर्वं ब्रह्मोपनिषदं

माहं ब्रह्म निराकुर्यां मा मा ब्रह्म निराकरोदनिरकरणम्-

स्त्वनिराकारणं मेस्तु तदात्मनि निरते य उपनिषत्सु धर्मास्ते
मयि सन्तु ते मयि सन्तु ॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

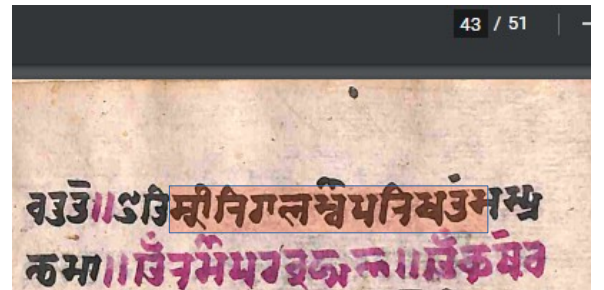
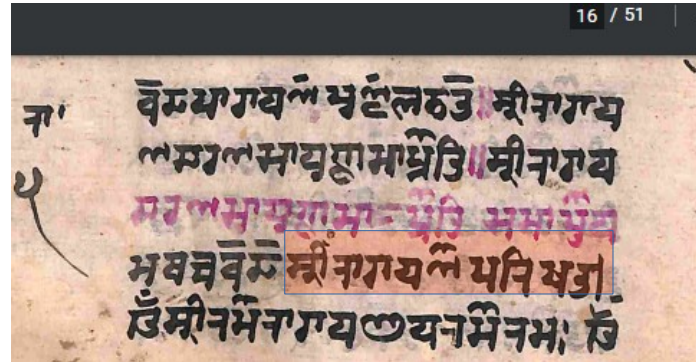
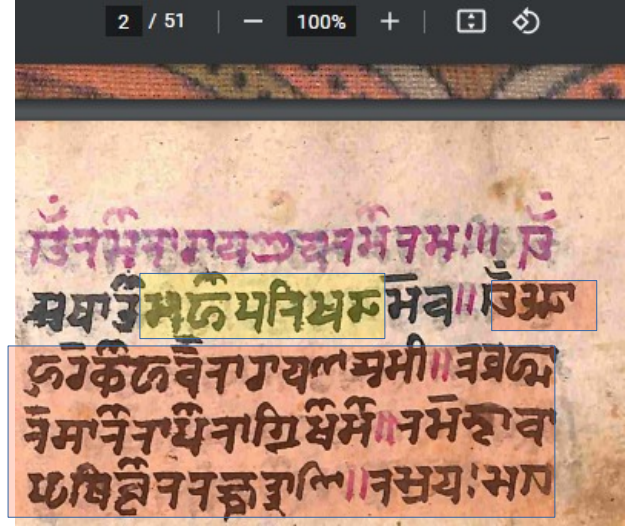
अथातो महोपनिषदं व्याख्यास्यमस्तदाहुरेको ह वै नारायण
आसीन्न ब्रह्मा नेशानो नापो नाग्नीषोमौ नेमे द्यावापृथिवी न
नक्षत्राणि न सूर्यो न चन्द्रमाः । स एकाकी न रमते । तस्य
ध्यानान्तःस्थस्य यज्ञस्तोममुच्यते । तस्मिन्पुरुषाश्चतुर्दश
जायन्ते । एका कन्या । दशेन्द्रियाणि मन एकादशं तेजः ।
द्वादशोऽहङ्कारः । त्रयोदशकः प्राणः । चतुर्दश आत्मा ।
पञ्चदशी बुद्धिः । भूतानि पञ्च तन्मात्राणि । पञ्च महाभूतानि ।

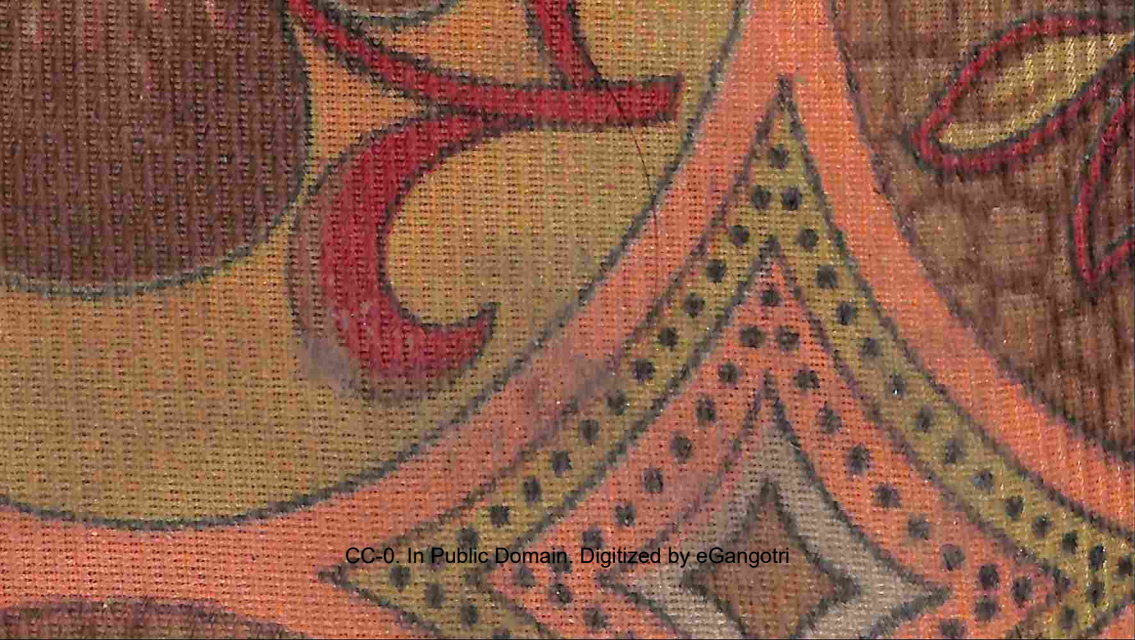
Ref : https://sanskritdocuments.org/doc_upanishhat/maha.pdf

Shri Narayanopanishad

Shri Niralambopanishad

उ०





CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ नमो नारायणाय नमः ॥ ॐ
सर्वार्थसिद्धिप्रदं नमस्कृत्य ॥ ॐ
हरेर्कैलसवैराग्यसुखी ॥ ब्रह्म
वैश्वानरसुखी ॥ नमो नारायणाय
ॐ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥

३।
०५

काकीनागमभउ॥उमृष्टानात्रम
धृयल्लुमुमभमृते॥उमिचुनध
मउरुमापयत्र॥पकाकृष्टामे
त्रिभूयालि॥मनपकाममे॥उरौमा
रमे॥मफकृष्टमृयैरमे॥प्रातृषु

उरुमभाङ्गपाङ्गमसीवद्वि॥पाङ्ग
उमाङ्गलि॥पाङ्गमफकृष्टानि॥मव
पवपाङ्गविमकापुनधः॥उधुनध
पुनधैनिवेष्टेनमृष्टपुननमेवअरे
पयत्र॥मेवअगपिपयत्रउति॥मव

३.
०५

पुनरेवनागयलः॥ मेवकुमेमन
भासायत॥ उभृदागउभृलला
एयत॥ विरुक्कियंमहंरुलरदंतयै
वैराग्यं॥ मनमैसुदंमपूवहालुत
यः॥ एगुगाममवचोदिगमः॥ मव

लिक्कुचमि॥ उहंगेपुषितानि॥
सुषपुनरेवनागयलः॥ मेवकुमे
मनभासायत॥ उभृदागउभृल
ललाएउंरुपुतता॥ उरुमापुत
उमुयसामउंरुदिगमयमहंउ

३०

ब्रह्ममउमपि सयउ॥मैसायउध
वाभपिउताकुगिउिहाऊउि॥गा
यउमऊ॥रगेवम॥यसुिमाठिभ
पिउताऊवउिहाऊउिभुधुऊम
ऊ॥उउगाठिमपिउताभगिउिहाऊ

उि॥रगउेऊम॥भाभवेम॥मडि
अठिमपिउतागानउिहाऊउि।
गउधुऊमऊ॥सुषवेम॥मऊम
मीछेऊवेमऊभूछेविममऊवे॥
विमउतापमनिहविमनगयलऊ

३.
०१

तिं॥ विम्वमेवमं धुनधं मुद्रि सुभय
णीवति॥ ८ धिं क विं वि सु सु रं म म म्
कं वि सु रु धि लं॥ ५ रु कं म धू डी का
मं ल लि टाः का मं ल लि टाः का म मं नि प
भा॥ रु म ये म् टा धू पं म् पा भा म नु टै मी

कृ ग पि सु॥ उ धु म ह म ह न वि वि सु
वि वि सु उ म् पा म॥ उ धु म ह व कि मि
पा सु नी ये॥ वे ह व मि उः॥ म र् रु द्वा
म रं मा र् ने॥ म ड रुः॥ मे ह रः॥ य र म म
ग ल॥ य ड म म ह य नि ध रं॥ वृ द्वा ह

३.
०३

ਪੀਤੋ ॥ ਅਮੋਰਿਯਾ ॥ ਮੈਤ੍ਰਿਯੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥ ਧਨਧ
 ਨੀਤੁ ਧਨੀਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥ ਮੈਧਿਧੁਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥
 ਮਨਾਧੁਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥ ਮਮਦਧੁਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥
 ਮਮਮਧੁਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥ ਮਮਰਧੁਤੋਨੁ ਕਵਰਿ ॥
 ॥ ਮਮਵੈਰੋਹੈਨੁ ਕਵਰਿ ॥ ਮਮਵੈਧੁਨੀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उ.
०७

किं पुनस्तु मयुमाचुनखयुगाचुना
तीताहाऊकगकाकिरहागकैरायै
मउतुंगमकुहमउतुंगगमकुतिउि॥
उतुजववममकपनिधकमाय
ति॥ तैमीकनूगके॥ तैनमैनागयलय

नमैनाग

तैहमैनागयलय॥ तैनमैनागयलय
नमैनाग॥ तैमयधुनवैनागयल
कामयउधुनामलोयति॥ नगयलय
लैरायउमनः मवैमियालिम॥ तैव
मलैतिगयलयमिनिधयुपाति॥

和

31

गद्यलक्ष्मणायते॥ नागयल्लक्ष्मण
यते॥ नागयल्लक्ष्मणपतिः पूरयते॥ ना
गयल्लक्ष्मणायते॥ नागयल्लक्ष्मण
नभवः॥ नागयल्लक्ष्मणमसम्भू
नागयल्लक्ष्मणमहिम्नः भवेत्तव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भगवति शुकं भि ॥ भ
वालि मरुता नि ॥ नागा य ॥ मेव मम
मरुते ॥ नागा य ॥ भूली य ॥ उरुते नागा
य ॥ भूली य ॥ नागा य ॥ विषय नि ॥
मेव न के नागा य ॥ ब्रह्म म नागा य ॥

न।

३०

मिव सुनायल्ले ॥ मरु सुनायल्ले
वमवैसिनीनायल्ले ॥ सुफममिहसु
नायल्ले ॥ मवेरधयसुनायल्ले ॥ का
लसुनायल्ले ॥ मिमसुनायल्ले ॥ यसु
नायल्ले ॥ कुचमनायल्ले ॥ भुगभुग

नायल्ले ॥ सुउरदिस्सनायल्ले ॥ ना
यल्ले ॥ एवेमंमवेयसुउयसुठहभा ॥
ॐ ॥ सुमनिहैनिष्कल्लेनिगाएउनिविक
ल्लेनिगल्लन ॥ महुमवमकेनायल्ले
नदितीर्थमिक्कसिउ ॥ यएवेवेम ॥ उरु

ना० मंमभाविठइमनः॥ पूरुणवाचु॥
 भा०॥ पूरातिपुगंयगंविष्णुसंपद
 महयभा॥ एतद्वैनागयस्यैयनियता॥ वै
 कनैनागय॥ स्यैयनियमं मपीउ॥ मम
 चेहः॥ पापैहैविमर्कैरुवरि॥ ममचो

सुलेकानाथैति॥ ब्रह्म हंसगुणउद्वेगा
 कृति॥ उंमिहैउमगुत्रमडति॥ यज्ञात्र
 गय॥ यज्ञपरिश्रुता॥ उंमिहैका
 कुरंगमडति॥ सुमहुरंगगय॥ वै
 रिपद्मकुरंगलि॥ एतद्वैनागय॥ श्री

न।

३३

श्रद्धां यमं मयी र्मे न य वः॥ म च भा
 यु गे वि ऋते प्रा ल य हं॥ ग य म्मे धं गी य हं
 उ उ म् उ हं म सु उ॥ उ उ म् उ हं म सु उ॥ त्र
 प्र ग न रं वृ ण प न धं॥ प्र ल व श्र उ य म
 का उ क र्मे म का उ ड ति॥ उ हं प्र ल व श्र

उ य म् क र्मा म म न वे उ म् उ म् मि ति॥ य
 म क्ता म मृ उ र्मे गी रा म मं भा र व व न उ॥
 त्रं म्मे न ग य उ य रि म र्मे य म क र्मे व क र्मा
 क व नं ग मि ह ति॥ उ म्मे य रं य न धं प्र
 ड गी क र्मा वि ष्णु न य न॥ उ म्मा उ डि म्

न० ठमभानमेतावमाउमैमा॥ ब्रह्म
 ३८ मेवकीपुत्रैर्ब्रह्मैभप्रभमनउति
 ॥मवकुतुमुमेकैवे॥ नागयल॥ का
 पुनधमकलपुत्रैर्ब्रह्ममा॥ एतमवचमिरेवै
 पीउमयायैपायैरुवति॥ मायमपी

यानैमिवरुतुयायैनामवति॥ प्रउ
 पीयानैगविरुतुयायैनामवति॥ म
 न्ननभामिहामिमुपिपीयानः॥ य
 हः याउकातियाउकमकायाउका
 याउकैयया उकैहः प्रमसुते॥ म

न० ठमभानमेतावकाउमैमा॥ ब्रह्म
 ३८ मेवकीपुत्रैर्ब्रह्मैभप्रभमनउति
 ॥भवकुतुमुमेकैवे॥ नागयल॥ का
 पुनधमकल॥ पुत्रैर्ब्रह्ममा॥ एतमवचनमिरेवै
 पीउमयायैपायैरुवति॥ मायमपी

यानैमिवरुतं पाथं नामयति॥ अउर
 पीयानैगतिरुतं पाथं नामयति॥ मए
 तिनमामिहातिमुपिपीयानः॥ यस्तु
 हः पाउकातिपाउकमजापाउकान
 पाउकैयथा उकैहः प्रमसुते॥ मर

ना

१५

वेमथागयले भुल्लठउ॥ श्रीनागय
लमलमायगामाधेति॥ श्रीनागय
मलमायगामाधेति ममाधेति
भववेम श्रीनागयले पनि थग
उं श्रीनमनागयलयनमिनमः वि

उं नमः भगवते नमः॥ उं नमः
बलायनेठगवतं भगमे धिने परिममे
उं नमः॥ मदीठिठगवतं भगमे धिने
वभ्रं ममाधेति ममाधेति ममाधेति
मिगवथाय विधिं भगवते भगवते

३०

तिविम्वरा॥ उमैमठैवामपिउमठसु
मठुठकिष्टानयेगामवेदि॥ नकभं॥
नभूरायायनेनरागेनेकेनाभउदुभानसुः
॥ भगे॥ केनिदिउगुदयेविदुगामेउदु
उयेविमवि॥ वेमउविस्सुभनिष्ठिताऊभे

३१

उय

३१

हभयेगामउयः सुदुमडा॥ उव्रदलेके
मुपगउकालेयगुमउः परिमृष्टिभ
वे॥ विविऊमेमभापुभनभः सुमिः
मभगीवमिगः मरीर॥ मृदुमभभाभ
कलेभियालिनिमृदुक्रुभगुनपु

37

धं कृष्ण इतीकैविगणविमुद्धविमि
 तुमहविमरुविमैकभा यमिनुम
 हंकमनतुतुपमिवेधुमातुमम्यतुवृद्ध
 वेनिभा मुनमिमहातुविनीनमेकैवि
 तुमिना नरुसमुतुपमसुष्टमातुतमा

सुप्रदभा

उभमभयं यथमेष्वं विदुर्दिल्लिपं नृणी ।
लकं ठं प्रमातुमा ॥ एताभनिज्ञमृतिदु
उयैनिममसुमाहिं उभमः यथमातु ॥
मवद्वममिवः ॥ मेमः ॥ मेहः ॥ यथम
मुगल ॥ मपवविश्वः ॥ मयः ॥ मकः

उ.

३३

लागिः॥ ममम्भः॥ मावमचं यकु
उंयसुठहं मनउनमा॥ सुहुउंमदुम, उ
उिगहः॥ यऊ विमऊये॥ मचकुउमु
माऊनं मचकुउनिमाऊनि॥ मंयसुव
नयमंयातिनहंनऊन॥ मऊनम

लिहदुयुतावंमैउगगलिमा॥ सुननि
मसनहमाऊममऊरियजित॥ मा
वमायापरिमैडिउऊमगीरमाऊय
करैतिमचं॥ म्रियत्रयानमि विमिउके
मैः॥ मावरागूय रिहृथिमैति॥ सुप्रम

सुभाषा कल्प उक्त्वा त्रिकैः

उ
३७

लीवः भाषुः पठेऊ सुभाषि कलेमक
लेविलीनेउमैठिऊउः भाषुपमैति॥ पुन
सुभाषा उरकम येगाऊ अवणीवः॥ सुधि
तिपुवुवः॥ पुनयेकीरुतियसुणीवमुत
मुपउमकलेविमिउभा॥ सुभाभा नरुम

भाषा उवेयं यमिः लैल्लयं याति पउत्रयं॥
पउमः सुयउयुः लैमनः भवेभिः यातिम॥
येवयुल्लैतिगयसुयः विवीविमुसुगतिनी
॥ यउउवुवः मवाऊ विमुसुयउनंमक
ग॥ सुभासुभा उगतिउउमैवउमैवउग॥

उ.
३.

एगस्तु प्रमथपुमिपुयसुयसूकामो
उदुल्लभिमिउल्लभमववैः प्रमसुते
दिशुयामसुयसुयैः कैंकैंगसुयसुवे
अ॥ उहै विलकुलः माह्नीमिउरुहैम
मामिवः॥ महेवमकले एउमविमवे

पुतिश्रितमा॥ मयिमवेलययातिउ
इल्लभयमसुलमा॥ मल्लिगुलीया
नलमेवउरुअलनलं विममलं विमि
इमा॥ पुगउरुहैपुनयैमभीमैलिगुल्ल
यैहैमिवउयममि॥ मयालिपामैलम

उ.

30

मिनु मक्रियष्टासुमङ्गसुमल्लभुक
नः॥ सुदेवि एतानां भिविविक्तुयेन
माभिवेता मभमिदुमादमा॥ वैदेगु
कैरु मेववेष्टेवमाउठुविमेवमा
दमा॥ नयह पाये मभनसिनामेन

एतमेदेमियवद्विरभि॥ नकुभिर्ये
मभवद्विरभि नमानिलेमेसिनमाधु
रम॥ एवंविमिदुपयमाकुतुयेगुद
मयेनिष्कलमद्वितीयमा॥ मभसुमा
क्षिममः मद्विती नययसुदेयमभ

३१

३३

उपमा॥ यज्ञमउरुदिवमपीउमेग्रिप्र
उरुति॥ सुगया नैत्रु उरुवति॥॥ ब्रह्म
कहाया प्रउरुवति॥ कडा कडा प्रउरुव
ति॥ उमा मविमक मा मि उरुवट्ट
मूमी मचम॥ मचम मकडा ए यडा

मनेन सुनमा प्रेति॥ मं माग क वनम
उरुमा॥ उमा मवु विमि डन कै वल्लु
लम मउ॥ उरु कै वल्लु पुनि यमम
धु॥॥ मी मक मभु॥ उरु मं ना
गय ल यन मं नमः॥ उगा मय

उ.

३३

सैवमैगुगवे॥ सुदमेवपरभुद्ध
वाममेवापमहयभा॥ उतिभ्रावि
सिउमैवदूपावहृषैरुवेता॥ सु
दमेवपरभुद्धनमादबुद्धलः॥ य
वका॥ उतेवंममयामीनेबुद्धलि

बुद्धलः॥ यवका॥ उतेवंममयामी
नेबुद्धलिबुद्धलिभिउः॥ सुदमेव
परभुद्धनिष्ठितुमिउमिउताभा॥ मि
दुपदुमसद्गदामवापदुयउउ
॥ मवेपापिविनिभुऊमैउतेमनिगउ

७.

भा॥ उद्गुल्लभिमिस्सुहाकषेवत्त॥
सुभीठवेता॥ मेसरहामिमेवत्त॥
सुभममविउत्त॥ ठावातेताचरित्त॥
हासुंठावेठावयत्त॥ सुंठवत्त॥
मिथेवेत्तमवेठवत्तितात्त॥ नत्तुत्त॥

मेसत्तमेवत्तुत्त॥ भा॥ उद्गुल्लभिमिस्सुहाकषेवत्त॥
भावत्तमवेठमिठुत्त॥ सुंठवत्त॥
भा॥ नमवेत्तमेवत्त॥ सुंठवत्त॥
वात्तमेवत्त॥ सुंठवत्त॥
वात्तमेवत्त॥ सुंठवत्त॥

उ.

ॐ निरुभक्त भवै कववागु ॥ मन्त्र नम
उत्तं वृद्ध मंठा हविर्गोमिथैः ॥ नत्तं मं
पुत्तं किप्ति म्पुत्तं नत्तं म्पुत्तं ॥ मन्त्र
नमत्तं वृद्ध मंठा हविर्गोमिथैः ॥ मन्त्र
हविर्गोमिथैः कववागु

मिन्नम ॥ उम्मायात्तं कववागु ॥
मन्त्र म्पुत्तं मन्त्र म्पुत्तं ॥ मन्त्र
कववागु मन्त्र म्पुत्तं ॥ मन्त्र
मन्त्र म्पुत्तं मन्त्र म्पुत्तं ॥ मन्त्र
मन्त्र म्पुत्तं मन्त्र म्पुत्तं ॥ मन्त्र

22

७.
१.१

वन्दे कं क म म न ॥ सु क व नि म ल ! सु सु
म म व न न म म य ॥ व न व न न म म गी म
कै न मि रि क व य उ ॥ म म क व क व यि उ
व क म उ क म ० उ ॥ ए न ये गे न म म
क व न न व ह यै न रि ॥ म व क र म म

ह म म रि सु सु क म व म य उ ॥ य व ल्ली
व म म ह म म ल्ली व म कै क व न रि ॥ म
वै यै ह म उ म म ग क म य म म म नै ॥
न न म नै न म य म म म म य म म म
॥ न म नै न म म म व न रि नै व रि उ म म

उ.
३३

एति॥ मचल्लेन मनउंके मचेमः मच
मकिमाना॥ मनरुः मटवेपेज भित्ति
ज्जचमिउनमा॥ नाकेयप्लीन मलिले
न॥ मचकि मषानिलः॥ नमा कामे नम
रु सुनम मच मषारमः॥ नाकेगवेन

उयंमन मायाजंन मंमतिः॥ ममा
माह्मीमुतुप द्वाक्किवावा मि केवल
मा॥ मयेवम कलेरुं मयि मचं म
ति भित्तमा॥ मयि मचं लयेयति उरु
ज्जभृज मचुयमा॥ मयं मचं मिह

उ

३७

मा
ब्रह्म

वमहं ब्रह्म ह म ह य मा ॥ सुप्रभा लं
वैराग्यं न ह वै राग व म ह ॥ ब्रह्म कर्म न
मं सा श्री न ह हं य स का ॥ ना हं मे हं न मे
हं कं वै लं म न उ न ॥ उ वा य म ह उ
गै धि प क मे वा हि ती ये ब्र ह्म नै ह न न भि कि

ह न ॥ इ ति भु क्ते ये नि य म् मा भु ॥ ३
न मे न पा य य न मे न म ॥ ३ न म ॥
मि वा य म ह वे ॥ म भि म न न भु उ ये नि
धु य ह्म य मा उ य नि ग ल भु य उ रे
मे ॥ नि ग ल भु म म मि ह मा ल भु वि रा

३.
८.

कति यः॥ मम ज्ञाभी स र्यगी स कैवल्य
यमममुते॥ अथामरु नणी वानं ममभ
रिष्टमात्रये॥ यदृष्टं ममपिले ममाम
कव्वीभिउता॥ किं ब्रह्म॥ किं मवलं ब्र
ह्म॥ कर्तृवः॥ कैणीवः॥ कायूठतिः॥

कथं रमा॥ के ब्रह्महः॥ का एतिः॥
किं कर्म॥ किं भकर्म॥ किं उयः॥ किं मभ
रं॥ किं स्रुवं॥ किं मस्रुवं॥ कस्मै मभः॥
कैवल्यः॥ कैर्महः॥ किं मयः॥ किं रुत्वं
॥ कः श्रुजः॥ कै नरकः॥ किं यरं मयः॥

उ०

२०

कउथायः॥कैविद्वाना॥कैभ्रमः॥कः
भट्टाभी॥किगृहं॥किभगृहं॥कभ
भापिरिष्टमपुन॥किं ब्रह्मति॥भापिले
पापिविनिभुक्तं॥निजलं निरवयव॥नि
हानकभगपु॥कभभमिगीयेमेउहेव

॥किंमवलंब्रह्मति॥महजभमम
दहुरयविहयुगीवाद्याकामसुकु
नवदहुरय॥हकैमेनकभल्लनउ
यउथाठभभान॥भकलमह्रायव
दिउंमवलंब्रह्म॥कभेभ्रम॥५॥॥॥

५

उ.
५३

कल वृद्धैव प्रथममिति मन्त्रादिभिर्ब्रह्मलोक
न॥ म॥ सुप्रसन्नमिदं न प्रथममिति ब्रह्ममीनं
ब्रह्ममीति यन्नियतु ब्रह्ममीति न॥ के एषी
व उति॥ ब्रह्मविष्णुमहेश्वरमिदं ब्रह्म
मिदं स भवमाहुर्लैणीव॥ मयैव मेकै

धिमेकमेकैव सारं सारं वीणीव॥
का प्रथममिति॥ ब्रह्म॥ म॥ सकामास्तु
गच्छन्ति॥ निष्कामास्तु ब्रह्म उपा
ब्रह्म मक्तिरेव प्रथममिति॥ कः परमात्म
उति॥ मेकमेकैव॥ यं उद्ब्रह्मैव परमात्म॥

उ.

५३

दृष्टा विप्रुतवा नुते यदु मेव कम् ॥ कि
नै भक मेति ॥ कहु डुके कडा न सुगु
वाव व सुतु यं ॥ गामा मि का ग ले निह
नै मि डि क वा पा मि वुतु यं मा नै थु
रु ला नु म व नै यतु म कम् ॥ किं उ थ

उति ॥ वृद्ध महे रा ग मि स तु थ रं ह सु
नै थ डी ल वृद्ध ह सु द म क वी रा म
ह म म थः ॥ कि मा म रं उ ति ॥ सु द ग
ग ग ह व ड सु रं यं उ दि मा म रु म
मि यु जं उ थ म म रं किं सु न मि ति ॥ १०

उ.
२२

काऽमेभि यगुल लेन महुतु था मत्र
याम्बल मत्र न निमिष्टा मत्रै न्गु म्भु
भुकां मत्रे निगृ म्भवा त्रु म्भु यप प
एभि विकार यम जे म्भु म्भु उं विना न
कि ण्डि म्भु म्भु रि मा ङा ङा न्गु न्गु

मसुता न्गु ले मा यव प्पे ङा ङा
रिका नायक म्भु प म्भु र्गु क्क
ग्गु म्भु म्भु उय म्भु उय म्भु य उं
उका र्गु ङु म्भु ङु क्क र्गु क्क

२३

श्री
७

लक्ष्मि न विउवा नः मे विउ
गभुमं प्रणिउग यवः पाउनः
५ यत्र कारिधु कारिधु दुःख
श्रुतं मिदं कंभणि सुमि

उतिष्ठस्वाधु कभा

मङ्गलार्चना

स्मरे॥ किमस्मन्नमिति॥ गङ्गा मधुस्मर
मिवास्मिन्नीयेवज्जलिमेवतिदङ्गरभी
धुमधवत्काम्भवत्तुमेवामिन्नक
ल्पनस्मरमा॥ कः संमपडति॥ अना
हविष्ठावामनया एतेभ्य उते डटामि

कु.
५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कवविकारः ॥ संभारः ॥ केववडति ॥ धि
हृमाहृमहेरुगपहृगुजगमहेरुमि
संभारवगलमहृल्यववः ॥ कामाहि
महृल्यः ॥ कृत्रुइरुहृरुमकामाल
हृरुयगुलममयामिमहृल्यरुवम

नहामिडुयनानकमयल्लवउमानन
नकल्यनमहृल्यः ॥ यमाहृल्ल
वैमाहृममहृल्यः ॥ केवलमैहृय
हृमहृल्यः ॥ महृल्यमाउववः ॥ के
मैहृडति ॥ निहृनिहृवमुविमगनिहृ

३.

मंभारुममसुमकुल्यहयैर्मेढः॥ किं
भापमिडि॥ भस्त्रिमनरुउधउवास्तुना
नरावस्तुमापे॥ किंइत्तमिडि॥ नभमु
थविषयमकुल्यमेवरुत्तमा॥ कःज
उति॥ मद्गङ्गाः सुजः॥ केनरकउति॥ मु

子

मङ्गलार्थविषयमङ्गलनगकः॥ किं यरभं
यम्मा॥ यन्त्रि या उक्तरलम्॥ यर
उरंमष्टिगनरुमष्टितीयंमचमाष्टि
मचगउंनिष्टमङ्गलम्भुतुयंयरभंय
म्मा॥ कउथायउति॥ मचमगीरभुम्भु

उ.

सु.

वृथायकैगुरुमयायः॥कैविद्वानिति॥
मचाउरभेमसिद्धिपंथरमाङ्गनयेवेदि
मविद्वान॥कैभ्रमऽति॥कहुवृत्तकुहा
मृदुल्लगापिउरैभ्रमः॥कःमहाभीति
॥भ्रमभुवावभ्रः॥भवकभ्रमलहागी

महाभी॥किंगुरुमिति॥मिसका
लवसुथरिक्कुरुदिउमिभ्रवभु
गुरु॥किमगुरु॥भ्रमभुयहतिरि
ऊंभायभयंभनेवन्नीभ्रियगीमंगण
गुरुवृत्तमिउनेमगुरुमा॥कभ्रमा

उ.

पिपिडि॥ मचमवच॥ रिट्टा निम
मेविरळ कुकैरे कुट्टा वळ निम सु
केसरल मपिग सुउरु मभूमि म
दवाहा ऊनिष्ठि ट निचिक लभ
भादि पिनायः॥ सुउरुः॥ मट्टुग

डिः॥ मभुजः॥ मभुजः॥ मयमभे
मः॥ मेवप्रउः॥ मवळलः॥ ममट्टमव
ममवविता॥ केवळल ५ डिः॥ येव
विविड सववळल ५ डिः॥ निगलमे
पनिधमे येपीउमवळल ५ डिः॥ नभुनग

वउते॥ इति श्री निगल श्वेयनिधुतंभम्
कभा॥ त्रैत्रयेपरब्रह्मन्॥ त्रैकषेव
ब्रः कषेमैहाः काविष्ठाकाविष्टेति॥ एग्
श्रुप्रश्नश्चपुंगीयम्॥ कषमन्नमयः॥
भूतमयैमर्नेमयैविष्टनमयन्

नमः भवः ॥ कषं कडाणीवः ॥ ३३ ॥
 भाङ्गीकृतं भुङ्क्ते दाम्भीकषं पुटगाङ्गाय
 रमाङ्गाय पुङ्गाभायामेति ॥ कषभाङ्गं च
 रः ॥ अनाङ्गं नैवेद्यमीनाङ्गाङ्गं नैनादिभ
 वते ॥ भैरविमान ॥ अङ्गं नैववः ॥ उत्रिव

उ.

उमैकमु॥ मीनिभानक पूरवति॥ वा
भाप्रविष्टमैनिभानैयवाकि निवउउभा
विष्टमैनिभानैयवाकि भनप्रमिपुत्र
मकरले॥ पुष्कलैगमिडाहउगण्डीउः
मक्रामीविषयाभुलाहमैयलकउउ

मक्रनैरमरले॥ उष्टमनाभजिरष्ट
मकिः॥ करले॥ मक्राहकवेयिवाखन
मयेमक्रामीहमैयलकउ॥ उमाक्र
नः॥ मक्रमक्रमकरलेयभमादिमे
धविष्टनकावेयमाउमाक्रनः॥ मभ

उ

३१

५०

५०

धुभा ॥ सुवस्त्राद्यावास्तुवमाहि
सुयमकावगदितं निर्वमं ॥ नैग
दंमैउहयमाउगुगीयंमैउहमिहृष्टु
॥ सुवकादात्तधल्लुकेमानांमभ्रु
उमय ॥ कैमऽदुष्टुते ॥ धात्तमिह

मवायुकेमासुत्रमयेकैमेवमावउउ
मायुलमयःकैमऽदुष्टुते ॥ पउके
मद्वयमंयुक्तंमनसुमिहिसुउममा
हि ॥ करलैगामकामिविषयम
दुल्पायैमियमहृमाकरोतिउमाभने

५०८
इल्ल उड्डहउ॥ उड्डवयु कामउमैउवे॥
हल्लनल्लेयानभाविठवतिरेठावल्लउ
भुवमेवाभाविठवतिरेठावलीनः॥ भु
वेण्णैतिः भमाहीड्डहउ॥ वल्लमिथि
धीलिकायदउमवभूलि वड्डिमुयम

विमिधउयैय
लहभाउः

भवभूलि वड्डिमुयम

उमकुणम्भ उड्डहउ॥ उणम्भुयमिउ।
हेमनेभुयपल्लकउड्डमलिगल्लभ
इमिवमवहेउभुयउड्डनयमभुका।
मउ॥ भुयउमउदमीड्डहउ॥ भवेयापि
विनिम्भुमेभवल्लयनवड्डिन्नमिभा

उ.

१५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ उमा देवमातुः
 भूतगात्रे दुष्टे ॥ महेश्वरमनत्रमां नरेव
 ॐ ॥ महामविनामिनामममका लवसुनि
 मित्रभुविनमृदु यत्र विनमृति ॥ उमा विना
 मिश्वरमिदु यति विनामगदि उम उष्टुन

मिहकिपीयते ॥ मनत्रेनाम ॥ मद्रिकारेश्व
 ममिव ॥ मवल्लविकारेश्वमवल्लमिव ॥
 उत्रुविकारेश्वउत्रुरिव ॥ महका मिमश्चि
 भूपद्विभुप्रवेहायकं मे उष्टु मनत्रमि
 दुष्टे ॥ मनत्रेनाम मपम उष्टुभुपम

उ. धरिभिर्गानकममरुशुविमिश्रमापुत्र
व॥ अत्रकडुदुष्टे॥ अत्रकडुदुष्टे॥ अत्रकडुदुष्टे॥
सुलक्ष्मलक्ष्मकालनिमित्तेश्वरिणा
गीमउद्युक्तः॥ यगभायुयगभूदुष्टे
दुष्टमात्रायापिकादिलक्ष्मसुकाम

वक्ष्यचगउद्युक्तः॥ केवलः॥ मडा
मात्रः॥ मभूदुष्टे॥ अत्रकडुदुष्टे॥
गीमभायुयगभूदुष्टे॥ अत्रकडुदुष्टे॥
मगीनामगीनमभूदुष्टे॥ अत्रकडुदुष्टे॥
वक्षिकारुगीनिदुष्टमात्रः॥ मभूदुष्टे॥



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri